

हिन्दी / HINDI
प्रश्न-पत्र I / Paper I
(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

कुल आठ प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं ।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

प्रश्न सं. 1 और 5 अनिवार्य हैं और शेष में से तीन प्रश्नों का उत्तर दिया जाना है, जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम एक प्रश्न होना चाहिए ।

प्रत्येक प्रश्न / भाग के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तर की गणना संख्यात्मक क्रम में की जाएगी । यदि किसी प्रश्न को काटा नहीं गया, तो उस प्रश्न को गिन लिया जाएगा भले ही उसका उत्तर आंशिक तौर पर क्यों न लिखा गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

- Q1.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : 10×5=50
- (a) आरम्भिक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएँ 10
- (b) खड़ी बोली के विकास में सिद्ध-नाथ साहित्य का योगदान 10
- (c) दक्खिनी हिन्दी का स्वरूप 10
- (d) देवनागरी लिपि : सुधार की दिशाएँ 10
- (e) राष्ट्रभाषा हिन्दी की प्रयोग संबंधी चुनौतियाँ 10
- Q2.**
- (a) पूर्वी हिन्दी की किन्हीं दो बोलियों की प्रमुख व्याकरणिक विशेषताओं की समीक्षा कीजिए । 20
- (b) स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान प्रयुक्त होने वाली हिन्दी अपनी किन विशेषताओं के साथ राष्ट्रभाषा बनी ? स्पष्ट कीजिए । 15
- (c) खड़ी बोली की व्याकरणिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 15
- Q3.**
- (a) मानक हिन्दी को व्यावहारिक बनाने के लिए जिन व्याकरणिक नियमों को संशोधित किया गया है, उससे पढ़ने और लिखने में विसंगतियाँ आ रही हैं । उदाहरण देकर समझाइए । 20
- (b) आज हिन्दी को वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन के क्षेत्र में विशेष महत्त्व मिला है । इसके कारणों पर प्रकाश डालिए । 15
- (c) “हिन्दी और उसकी क्षेत्रीय बोलियों के अन्तर्संबंध से जो राष्ट्रीय एकता स्थापित हुई है, वह अद्वितीय है ।” इस कथन की मीमांसा कीजिए । 15
- Q4.**
- (a) उन्नीसवीं शताब्दी में नागरी लिपि की स्थिति पर प्रकाश डालिए । 20
- (b) हिन्दी के विकास में अवधी के योगदान की समीक्षा कीजिए । 15
- (c) ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताओं का आकलन कीजिए । 15

SECTION B

- Q5.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10×5=50**
- (a) हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परंपरा और महत्त्व 10
- (b) तुलसी की लोकमंगल सम्बन्धी अवधारणा 10
- (c) रीतिकालीन कविता में प्रकृति 10
- (d) छायावादी काव्य की प्रमुख दो विशेषताएँ 10
- (e) हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास 10
- Q6.** (a) आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन कितना प्रासंगिक है ? सप्रमाण उत्तर लिखिए । 20
- (b) नाट्य-कला की दृष्टि से भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के मौलिक नाटकों का विवेचन कीजिए । 15
- (c) नागार्जुन की कविताओं में भारतीय समाज की विसंगतियों और विडम्बनाओं को यथार्थ रूप में उकेरा गया है । स्पष्ट कीजिए । 15
- Q7.** (a) “प्रेमचन्द के उपन्यास भारतीय कृषक जीवन के सच्चे दस्तावेज़ हैं ।” इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए । 20
- (b) “जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ शिल्प का ताजमहल हैं ।” इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालिए । 15
- (c) रंगमंचीयता की दृष्टि से जगदीश चन्द्र माथुर के नाटकों का विवेचन कीजिए । 15
- Q8.** (a) हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचनात्मक प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए । 20
- (b) हिन्दी के यात्रा-वृत्तान्त की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए । 15
- (c) “विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंध भारतीय संस्कृति के आख्यान हैं ।” इस कथन की समीक्षा कीजिए । 15

